हिंदुस्तान कानपुर 01/11/2022

सीएसए का खीरा 30 दिन में देगा 60 % अधिक उत्पादन

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) का खीरा अब 30 दिन में 60 फीसदी अधिक उत्पादन देगा। ऐसा संभव होगा आजाद अगेता प्रजाति से। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. डीपी सिंह की देखरेख में टीम ने पिछले दस वर्षों के शोध के बाद इस प्रजाति को विकसित किया है। राज्य बीज उप समिति ने इसे विमोचित कर दिया है। अगले वर्ष से किसानों को बुआई के लिए यह प्रजाति उपलब्ध हो सकेगी। इससे किसान प्रति हेक्टेयर 250 कुंतल उत्पादन कर सकते हैं।

सीएसए के कल्याणपुर स्थित सब्जी अनुभाग में बने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तहत वैज्ञानिक डॉ. डीपी सिंह की देखरेख में छात्र व वैज्ञानिकों की टीम ने दस वर्ष पहले खीरे की अगेती प्रजाति विकसित करने पर शोध शुरू किया था। किसानों की आय दोगुनी और जल्द उत्पादन को लेकर शुरू हुई रिसर्च अब पूरी हो चुकी है।

डॉ. डीपी सिंह के मुताबिक राज्य बीज उपसमिति की लखनऊ में हुई 12वीं बैठक अपर की अध्यक्षता कर रहे मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रजाति आजाद अगेता खीरा को विमोचित किया गया। उनके मुताबिक

250 कुंतल उत्पादन प्रति हेक्टेयर में खीरे का हो रहा

230 से 240 ग्राम तक का होगा वैज्ञानिकों के मुताबिक

इसे विकसित करने में डॉ. राजीव, डॉ. केपी सिंह, डॉ. एमआर डबास, डॉ. एचजी प्रकाश व डॉ. एसपी सचान शामिल हैं। विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी है। डॉ. सिंह ने बताया कि इसमें बुआई के 30 दिन बाद फसल में फल तोड़ने लायक हो जाएंगे। किसान इन्हें बाजार में बेच भी सकता है। यह फसल सिर्फ 60 दिन में ही पूरी हो जाएगी।

ग्रीष्म व वर्षा ऋतु में भी प्रभावी : डीपी सिंह के मुताबिक इस प्रजाति में फसलों का आकार मध्यम होगा और खीरे का वजन करीब 230 ग्राम से 240 ग्राम के बीच होगा। इसके पौधों की लंबाई सिर्फ दो मीटर होती है। लंबाई कम होने से अन्य प्रजातियों की तुलना में करीब 60 फीसदी फलों की संख्या अधिक होती है। यह प्रजाति ग्रीष्म व वर्षा ऋतु दोनों में प्रभावी साबित होगी।

दैनिक जागरण कानपुर 01/11/2022

खीरे की नई प्रजाति, उत्पादन 60 प्रतिशत ज्यादा

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कल्याणपुर स्थित सब्जी अनुभाग में खीरे की नई प्रजाति विकसित की गई है। इसे आजाद अगेता खीरा नाम दिया गया है। इसमें फसल की बोआई के 35 दिन बाद पहली तुड़ाई शुरू हो जाती है और 60 दिन में फसल पूरी हो जाती है। अन्य प्रजातियों की अपेक्षा यह अगेती है। राज्य बीज उपसमिति की 12वीं बैठक में अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण ने 28 अक्टूबर को यह प्रजाति विमोचित की है। जासं

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्षः13 | अंकः254 | देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2022 | पृष्ठः08

कुलपति के कुशल नेतृत्व में विकसित हुई खीरे की नवीन प्रजाति

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कल्याणपुर स्थित सब्जी अनुभाग के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा खीरे की आजाद अगेता खीरा नवीन प्रजाति विकसित की गई है सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के अनुभाग अध्यक्ष डॉ डीपी सिंह ने बताया कि कुलपति डॉ डीआर सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व के परिणाम स्वरूप सब्जी अनुभाग में विगत 10 वर्षों बाद खीरे की नवीन प्रजाति विकसित हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य बीज उपसमिति (औद्यानिक फसलें) की 12वीं बैठक अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में 28 अक्टूबर 2022 को खीरे की नवीन प्रजाति आजाद अगेता खीरा को विमोचित किया गया डॉ सिंह ने नवीन खीरे की प्रजाति की विशेषता के बारे में बताया कि इसमें फसल बुवाई के 35 से 35 दिन बाद पहली तुड़ाई शुरू हो जाती है तथा 60 दिनों में लगभग फसल पूर्ण हो जाती है जो कि अन्य प्रजातियों की अपेक्षा यह अगेती है।

उन्होंने बताया कि इनके फलों का आकार मध्यम तथा औसत वजन 230 से 240 ग्राम के मध्य तथा पौधों की लंबाई लगभग 2 मीटर होती है पौधों की कम लंबाई होने के कारण अन्य प्रजातियों की तुलना में लगभग 60ः फलों की संख्या अधिक होती है जिससे उत्पादन लगभग 250 कुंतल प्रति हेक्टेयर लिया जा सकता है।

दि ग्राम टुडे हिन्दी दैनिक 01/11/2022 कानपुर, कानपुर देहात, लखनऊ

कुलपति के कुशल नेतृत्व में विकसित हुई खीरे की नवीन प्रजाति, राज्य बीज उप समिति ने किया विमोचित

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कल्याणपुर स्थित सब्जी अनुभाग के सब्जी उत्कृष्टता केंद्र द्वारा खीरे की आजाद अगेता खीरा नवीन प्रजाति विकसित की गई है। सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के अनुभाग अध्यक्ष डॉ डीपी सिंह ने बताया कि कुलपति डॉ डीआर सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व के परिणाम स्वरूप सब्जी अनुभाग में विगत 10 वर्षों बाद खीरे की नवीन प्रजाति विकसित हुई है उन्होंने बताया कि राज्य बीज उपसमिति (औद्यानिक फसलें) की 12वी बैठक अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में 28 अक्टूबर 2022 को खीरे की नवीन प्रजाति आजाद अगेता खीरा को विमोचित किया गया।

डॉ सिंह ने नवीन खीरे की प्रजाति की विशेषता के बारे में बताया कि इसमे फसल बुवाई के 35 से 35 दिन बाद पहली तुड़ाई शुरू हो जाती है तथा 60 दिनों में लगभग फसल पूर्ण हो जाती है जो कि अन्य प्रजातियों की अपेक्षा यह अगेती है।उन्होंने बताया कि इनके फलों का आकार मध्यम तथा औसत वजन 230 से 240 ग्राम के मध्य तथा पौधों की लंबाई लगभग 2 मीटर होती है।पौधों की कम लंबाई होने के कारण अन्य प्रजातियों की तुलना में लगभग 60 फलों की संख्या अधिक होती है जिससे उत्पादन लगभग 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर लिया जा सकता है।विभागाध्यक्ष डॉ डीपी सिंह ने कहा कि इस प्रजाति को विकसित करने में कृषि वैज्ञानिक डॉ राजीव, डॉक्टर के पी सिंह, डॉ एम आर डबास, डॉक्टर एम जी प्रकाश एवं डॉ एस पी सचान आदि की संयुक्त टीम ने विगत चार-पांच वर्षों के निरंतर शोधों के परिणाम स्वरूप विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि खीरे की यह प्रजाति ग्रीष्म एवं वर्षा ऋतु दोनों ही मौसम में उगा कर किसान अपनी आय में बढ़ोतरी कर स्वावलंबी बन सकते हैं। विश्वविद्यालय के

गीडिंग प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि खीरे की नई प्रजाति विकसित करने वाली कृषि वैज्ञानिकों की टीम को कुलपति ने बधाई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी है।